पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुंबई में महाराष्ट्र सरकार की ओर से हुआ राज्यपाल श्री नाईक का सम्मान

सर्वोत्तम आत्म चरित्र संग्रह की श्रेणी में 'चरैवेति! चरैवेति!!' को लक्ष्मीबाई तिलक अवार्ड सहित एक लाख का पुरस्कार मिला

लखनऊः 28 फरवरी, 2018

मुंबई में महाराष्ट्र राज्य साहित्य एवं संस्कृति विभाग द्वारा मराठी भाषा गौरव दिन के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक को उनके मराठी संस्मरण संग्रह 'चरैवेति! चरैवेति!!' के लिए महाराष्ट्र सरकार के मंत्री श्री विनोद तावड़े ने लक्ष्मीबाई तिलक पुरस्कार एवं रूपये एक लाख की राशि प्रदान कर सम्मानित किया। महाराष्ट्र सरकार के मराठी भाषा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष मराठी साहित्य में विमोचित लेखन की विभिन्न कलाओं जैसे लघुकथा, ललित गद्य, दलित साहित्य, शिक्षण शास्त्र, बाल वांगमय, नाटक, उपन्यास, आत्मचरित्र के लिए पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। मराठी की पहली आत्मचरित्र लेखिका लक्ष्मीबाई तिलक की स्मृति में हर वर्ष प्रकाशित सर्वोत्तम आत्म चरित्र को रूपये एक लाख की राशि का पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष राज्यपाल श्री नाईक के संस्मरण संग्रह 'चरैवेति! चरैवेति!!' को सर्वोत्तम आत्म चरित्र के रूप में चयनित किया गया था।

श्री नाईक ने इस अवसर पर अपने संस्मरण संग्रह 'चरैवेति! चरैवेति!!' पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 86 वर्ष पुराने मराठी दैनिक समाचार पत्र सकाल ने महाराष्ट्र के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों एवं केन्द्र मंत्रियों श्री शरद पवार, श्री सुशील कुमार शिंदे एवं श्री मनोहर जोशी के साथ उनसे अनुरोध किया कि अपने-अपने संस्मरण लिखें जो उनके समाचार पत्र के रविवारीय अंक में विशेष रूप से प्रकाशित होंगे। इस प्रकार एक वर्ष तक सीरीज चली। लोगों के आग्रह पर समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों को पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' के रूप में मराठी भाषा में प्रकाशित किया गया।

महाराष्ट्र के मंत्री श्री विनोद तावड़े ने कहा कि राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए संस्मरण संग्रह 'चरैवेति! चरैवेति!!' एक मार्गदर्शिका है। राजनीति में समर्पित मगर भेदभाव रहित कैसे काम किया जाता है यह रामभाऊ से सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह राज्यपाल श्री नाईक का बड़प्पन है कि वे सम्मान समारोह में मुंबई आए हैं। महाराष्ट्र सरकार का विचार था कि यह सम्मान राजभवन लखनऊ में उन्हें प्रदान किया जाए। मंत्री श्री विनोद तावड़े ने अन्य पुरस्कार विजेताओं का सम्मान श्री नाईक द्वारा करवाया।

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल श्री राम नाईक के मराठी भाषी संस्मरण संग्रह 'चरैवेति! चरैवेति!!' का विमोचन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा 25 अप्रैल, 2016 को मुंबई में किया गया था। राज्यपाल की पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' के हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू तथा गुजराती संस्करणों का लोकार्पण 9 नवम्बर 2016 को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में, 11 नवम्बर 2016 को लखनऊ के राजभवन में तथा 13 नवम्बर 2016 को मुंबई में हुआ। पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' का संस्कृत प्रकाशन माह मार्च में सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा किया जायेगा। राज्यपाल के संस्मरण संग्रह का बंगाली, सिंधी, तमिल सहित जर्मन, अरबी एवं फारसी भाषा में भी प्रकाशन किए जाने के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अंजुम/ललित/राजभवन (81/34)

महाराष्ट्र शासन